Class: X **March 2021 Sample Paper (Reduced Syllabus)**

Marks: 40 **Hindi Lokwani (Composite)** **2 hours**

दसवीं कक्षा : द्वितीय भाषा हिंदी – (संयुक्त) : लोकवाणी

समय : 2 घंटे **कुल अंक : 40**

सूचनाएँ – (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

प्र. 1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **6**

देखा, कुछ दूर पर सहिजन झूम रहा था। जैसे बुला रहा है । 'आता हूँ भाई ! कहो कैसे हो? तुम तो सदाबहार हो भाई ! और पेड़ तो वसंत में फूलते हैं, तुम तो बारहों मास सुगंध भरे फूलों से लदे रहते हो और उन फूलों पर मधुमक्खियाँ व भौंरे गुनगुनाया करते हैं। जाड़ों में जब मैं तुम्हारे पास धूप में बैठता हूँ, तब तुम्हारी मतवाली सुरभि से नहाता रहता हूँ। भीतर कविता गुनगुनाती है, बाहर तुम्हारे फूल और बारहों मास तुम फलियों से लदे होते हो। वे फलियाँ मेरे घर से लेकर पड़ोस तक अपना स्वाद बाँटती रहती हैं।'

(1) **उत्तर लिखिए :–** 2

सहिजन की विशेषताएँ :–

(क) _____

(ख) _____

(2) **गद्यांश में आए विरुद्धार्थी शब्दों की जोड़ियाँ लिखिए :–** 2

(ग) (———) × (पास) , (घ) (———) × (दुर्गंध)

(3) **'वृक्ष परोपकारी होते हैं', इसपर अपने विचार लिखिए।** 2

प्र. 1 (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :—

पहले बड़ी फिर छोटी, फिर उनसे छोटी के क्रम से बालिकाएँ मेरे संरक्षण में आ गईं। उन्हें देखने प्रायः उनकी दादी और कभी-कभी दादा भी प्रयाग आते रहे। तभी राजेंद्र बाबू की सहधर्मिणी के निकट संपर्क में आने का अवसर मिला। वे सच्चे अर्थ में धरती की पुत्री थीं। वे साध्वी, सरल, क्षमामयी, सबके प्रति ममतालु और असंख्य संबंधों की सूत्रधारिणी थीं। ससुराल में उन्होंने बालिकावधू के रूप में पदार्पण किया था। संभ्रांत जमींदार परिवार की परंपरा के अनुसार उन्हें घंटों सिर नीचा करके एकासन बैठना पड़ता था, परिणामतः उनकी रीढ़ की हड्डी इस प्रकार झुक गई कि युवती होकर भी वे सीधी खड़ी नहीं हो पाती थीं।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :– 2

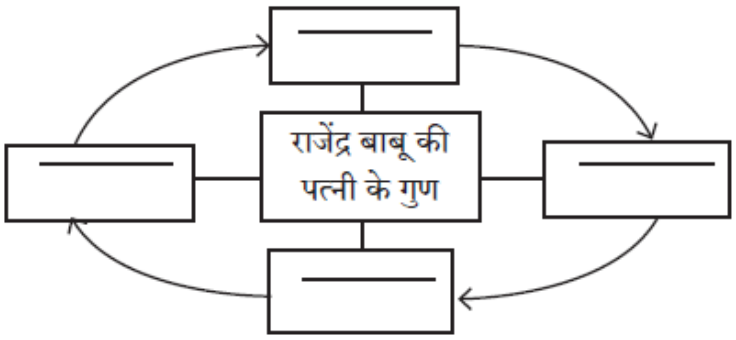

(2) लिखिए :– 2

(i) विरुद्धार्थी शब्द :
- निकट × ----------
- सरल × ----------

(ii) समानार्थी शब्द :
- परिवार = ----------
- पुत्री = ----------

(3) 'जीवन में सादगी और संयम का महत्त्व', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

प्र. 2 (अ) पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **4**

कबिरा संगत साधु की, ज्यों गंधी की बास।
जो कुछ गंधी दे नहीं, तौ भी बास–सुबास।।

दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
बिना जीव की स्वाँस से, लोह भसम ह्वै जाय।।

कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढ़ै बन माहिं।
ऐसे घट में पीव है, दुनिया जानै नाहिं।।

जिन ढूँढ़ा तिन पाइयाँ, गहिरे पानी पैठ।
जो बौरा डूबन डरा, रहा किनारे बैठ।।

(1) दोहों में प्रयुक्त शब्द और उनके अर्थ की जोड़ियाँ मिलाइए :– 2

शब्द	उत्तर	अर्थ
साधु	————	पागल
मृग	————	साँस
बौरा	————	सज्जन
स्वाँस	————	हिरन

(2) 'जीवन में सत्संगति की आवश्यकता', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 2 (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :– **4**

यहाँ हर शख्स हर पल हादिसा होने से डरता है,
खिलौना है जो मिट्टी का, फना होने से डरता है।
मेरे दिल के किसी कोने में इक मासूम–सा बच्चा,
बड़ों की देखकर दुनिया बड़ा होने से डरता है।
न बस में जिंदगी इसके, न काबू मौत पर इसका,
मगर इन्सान फिर भी कब खुदा होने से डरता है।
अजब ये जिंदगी की कैद है, दुनिया का हर इन्साँ,
रिहाई माँगता है और रिहा होने से डरता है।

(1) एक / दो शब्दों में उत्तर लिखिए :– 2

(क) हादिसा होने से डरने वाला = _____

(ख) फना होने से डरने वाला = _____

(ग) बड़ा होने से डरने वाला = _____

(घ) रिहाई माँगकर रिहा होने से डरने वाला = _____

(2) 'बचपन के दिन सुहाने', इसपर अपने अनुभव लिखिए। 2

विभाग 3– भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

प्र. 3 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(1) सही शब्द छाँटकर लिखिए :– 1

(क) मन्त्रमूग्ध / मँत्रमुग्ध / मंत्रमुगद्ध / मंत्रमुग्ध

(ख) सिरदरद / सीरदरद / सिरदर्द / सीरदर्द

(2) निम्नलिखित में से किसी एक अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए :– 1

(i) अथवा **(ii)** इसलिए

(3) कृति पूर्ण कीजिए :– 1

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
पुस्तकालय	_____	_____
अथवा		
_____	सम् + मान	_____

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- 1
(बिना सिर – पैर की बातें करना, कन्नी काटना)

राजेश की आदत है कि वह हमेशा निराधार बातें करता है।

अथवा

मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :–

घर सिर पर उठा लेना

(5) (i) **कालभेद पहचानिए :–** 2

वे सब उसे 'खोया हुआ आदमी' कहकर बुलाएँगे।

(ii) **निम्नलिखित में से किसी एक वाक्य का काल परिवर्तन कीजिए :–**

(1) पढ़ते–पढ़ते उसकी आँखों में आँसू आ गए। (सामान्य वर्तमानकाल)

(2) कहाँ तक चल रहे हैं? (सामान्य भविष्यकाल)

(6) **वाक्य के प्रकार पहचानिए :–** 2

(i) इस बात के लिए ये गाँववाले जिम्मेदार हैं। (रचना के अनुसार)

(ii) क्या प्रसाद सिर्फ बूँदी होता है? (अर्थ के अनुसार)

विभाग 4– रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

प्र. 4 (अ) (1) **पत्रलेखन :–** 4

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र लिखिए :–

हर्ष / हर्षा अग्रवाल, शारदा विद्या मंदिर, महाद्वार रोड, कोल्हापुर से शालेय बैंड पथक–विद्यार्थी प्रतिनिधि के नाते व्यवस्थापक, स्पोर्ट्स एम्पोरियम, सातारा को पत्र लिखकर बैंड सामग्री की माँग करता / करती है।

अथवा

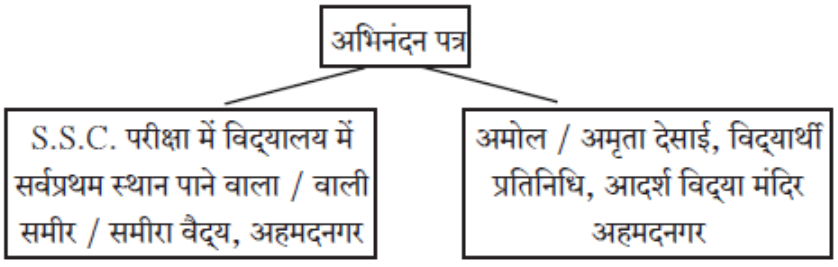

(2) **कहानी लेखन :–** 4

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखिए :–

एक कुत्ता --- मुँह में रोटी का टुकड़ा --- नदी पर पुल --- पानी में छाया --- कुत्ते का भौंकना --- लालच का फल ।

अथवा

गद्य आकलन – प्रश्ननिर्मिति :–

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक–एक वाक्य में हों :–

वन और पर्यावरण का गहरा संबंध है। प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए धरती के 35 प्रतिशत भाग पर वनों का होना आवश्यक है। ये वन नमी को अपने अंदर सुरक्षित रखते हैं। इससे वे सारे जगत को फल, फूल, हरियाली प्रदान करते हैं। वन सचमुच जीवनदायक हैं। ये वर्षा लाने में सहायक होते हैं। वन ही वर्षा की धारा को अपने भीतर सोखकर बाढ़ का खतरा रोकते हैं और यह रुका जल पर्यावरण में धीरे–धीरे पुन: चला जाता है। वनों की कृपा से ही भूमि का कटाव रुकता है। सूखा कम पड़ता है तथा रेगिस्तान का प्रभाव घटता है।

(आ) **निबंध लेखन :–** 4

किसी एक विषय पर 70 से 80 शब्दों में निबंध लिखिए :–

(1) मोबाइल शाप या वरदान

(2) सब्जी मंडी में आधा घंटा .....

* * *

पहली इकाई

क्र.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	पृष्ठ
१.	सोंधी सुगंध	गीत	डॉ. कृपाशंकर शर्मा 'अचूक'	१–२
२.	खोया हुआ आदमी	वर्णनात्मक कहानी	सुशांत सुप्रिय	३–७
३.	सफर का साथी सिरदर्द	हास्य–व्यंग्य निबंध	रामनारायण उपाध्याय	८–१३
४.	जिन ढूँढ़ा	दोहे	संत कबीर	१४–१५
५.	अनोखे राष्ट्रपति	संस्मरण	महादेवी वर्मा	१६–२१
६.	ऐसा भी होता है (पठनार्थ)	हाइकु	अभिषेक जैन	२२–२३
७.	दो लघुकथाएँ	लघुकथा	संतोष सुपेकर	२४–२६
८.	कर्मवीर	प्रेरक कविता	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	२७–२८

दूसरी इकाई

क्र.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	पृष्ठ
१.	मातृभूमि	कविता	मैथिलीशरण गुप्त	२९–३०
२.	कलाकार	संवादात्मक कहानी	राजेंद्र यादव	३१–३५
३.	मुकदमा : हवा–पानी का	एकांकी	गोविंद शर्मा	३६–४१
४.	दो गजलें	गजल	राजेश रेड्डी	४२–४४
५.	चार हाथ चाँदना (पठनार्थ)	साक्षात्कार	अमृता प्रीतम	४५–४८
६.	अति सोहत स्याम जू	सवैया	रसखान	४९–५०
७.	प्रकृति संवाद	ललित निबंध	रामदरश मिश्र	५१–५४
८.	ऐसा वसंत कब आएगा ?	गीत	जगन्नाथ प्रसाद 'मिलिंद'	५५–५७
	व्याकरण एवं रचना विभाग तथा भावार्थ			५८–६२

*** As per reduced syllabus 2020 – 2021**

***Note: Only chapter is omitted.**

Grammar & Writing Skill part is not

Omitted from above mentioned chapters.